

## तेलंगाना में खोजे गए पुरातात्विक स्थल

[स्रोत: द द्रिष्टि](#)

हाल ही में प्रोफेसर के.पी. राव के नेतृत्व में पुरातत्त्वविदों की एक टीम द्वारा तेलंगाना में तीन नए पुरातात्विक स्थलों की खोज की गई।

- एक अद्वितीय लौह युग का [महापाषाण स्थल](#) जिसमें **200 से अधिक स्मारक** हैं, इसमें एक नए प्रकार का महापाषाण स्मारक है जिसे 'डोलमेनॉइड ससिट्स' के नाम से जाना जाता है, भारत में अन्यत्र नहीं पाया जाता है।
  - यह [तेलंगाना](#) के बंडाला गाँव के पास ओरागुट्टा नामक स्थान पर पाया गया था।
- इन "डोलमेनॉइड ससिट्स" में **कैपस्टोन** होते हैं जो सामान्य वर्गाकार या आयताकार रूपों के वपिरीत स्मारक के आकार को निर्धारित करते हैं।
  - अनुमान है कथिे स्मारक लगभग 1,000 ईसा पूर्व के हैं।
- यह सुझाव दिया गया कथिे भारत में देखे जाने वाले **अधिक सामान्य वर्ग/आयताकार मेगालिथि** का एक पुराना रूप हो सकता है और **यूरोपीय पैसेज चैंबर्स** के समान हो सकता है।
- टीम ने दमराटोगु गाँव में **दो नए रॉक कला स्थलों** की भी खोज की।
- इसमें "देवरलबंद मुला" साइट शामिल है, जिसमें **मनुष्यों या हथियारों/घरेलू जानवरों के बनाए गए जानवरों का चित्रण** मलित है।
  - इससे पता चलता है कथिे चित्रकलाएँ [मध्यपाषाण युग](#) (8000-3000 ईसा पूर्व) की हो सकती हैं।

और पढ़ें: [मध्यपाषाण युग, महापाषाण स्थल](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/archaeological-sites-discovered-in-telangana>